निबन्ध लेखन प्रतियोगता

विषय- यातायात जागरूकता

नाम- कक्षा-

अनुक्रमांक- 11

रूपरेखा- प्रस्तावना, यातायात दुर्घटना के कारण, यातायात जागरूकता के नियम, यातायात जागरूकता का अर्थ, यातायात जागरूकता के प्रति हमारा दायित्व, उपसंहार।

प्रस्तावना ⇒

यातायात दो शब्दों से मिलकर बना है, यात + आयात। जिसका अर्थ है- आना- जाना। यातायात दिवस २६ अक्टूबर को मनाया जाता है। सामाजिक तथा औद्योगिक विकास के साथ-साथ हमने परिवहन के अनेक साधन विकसित किये हैं। जिनमें से यातायात जागरूकता या सड़क यातायात जागरूकता प्रसिद्ध है। इसको हमें सुचारू या सुरक्षित रूप से चलाने के लिए सरकार द्वारा कई नियम बनाए गये हैं। जिनका सभी नागरिकों को पालन करना चाहिए। वर्तमान समय में हो रहे जीवनशैली में हमें अधिकतर घर से बाहर आना-जाना रहता है जिसके लिए हमें यातायात की जरूरत होती है। इसलिए हमें कई बार इससे परेशानी भी सहना पड़ता है। यातायात के नियमों का पालन करने से हम तथा हम दूसरों की भी रक्षा कर सकते हैं।

यातायात दुर्घटना के कारण ⇒

- नशे में वाहन चलाना।
- बिना हेलमेट के वाहन चलाना।
- बिना सीटबेल्ट के वाहन चलाना।
- सड़क के नियमों का पालन न करना।
- बाईं ओर से न चलना।
- जेब्रा क्रॉसिंग का प्रयोग न करना

Scanned By Scanner Go

यातायात जागरूकता के नियम ⇒

यातायात जागरूकता के निम्नलिखित नियम हैं।

- सड़क पर हमेशा बाईं ओर से चलें।
- सड़क पार करते समय हमेशा अपनी दाईं- बाईं ओर देखकर ही पार हों।
- नशीले पदार्थों का सेवन करके वाहन न चलाएँ।
- हमेशा सीट बेल्ट तथा हैलमेट का प्रयोग करें।
- जेब्रा क्रॉसिंग का प्रयोग करें।
- वाहन मोड़ते समय ओवरटेक लें।
- वाहन चलाते समय ड्राइविंग लाइसेंस का प्रयोग करें।

"सावधानी हटी, दुर्घटना घटी।"

यातायात जागरूकता का अर्थ ⇒

यातायात जागरूकता का अर्थ है — यातायात के प्रति जागरूक होना। हमें अपना वाहन चलाते समय यह ध्यान देना चाहिए कि हमेशा बाईं ओर रहें तथा आस-पास अलग किसी व्यक्ति को देखकर रास्ता न पार हों। जब वह व्यक्ति चला जाए तब हमें रास्ता पार होना चाहिए। यातायात जागरूकता का पालन करने से हम अपना ही नहीं अपने परिवार का, समाज का, नगर का तथा पूरे देश की रक्षा कर सकते हैं।

"सड़क सुरक्षा का करो सम्मान,
तभी बनेगा देश महान।"

यातायात जागरूकता के प्रति हमारा दायित्व ⇒

यातायात के प्रति हमें हमेशा सजग रहना चाहिए। यदि कोई भी गलत कार्य कर रहा है तो हमें उसे समझाना चाहिए तथा उसको प्रेरित करना चाहिए कि वह उन नियमों का पालन

Scanned By Scanner Go

करें। तथा उसके प्रति वह हमेशा सजग रहें। यदि सड़क पर किसी भी व्यक्ति का किसी प्रकार से दुर्घटना हो जाती है तो उसे हमें उठाकर अस्पताल ले जाना चाहिए। वहाँ भीड़ नहीं छुटाना चाहिए। घायल व्यक्ति को हमेशा धैर्य रखना चाहिए तथा उसे सांत्वना देने के लिए अच्छी बातें करनी चाहिए। युवा- युवाओं तथा बुजुर्गों को हमें ध्यान में रखकर उन्हें हेलमेट तथा सीट बेल्ट लगाना चाहिए। इससे हम तथा हमारे परिवार के लोगों को सुविधा होगी। सरकार ने कई नियम बनाए हैं जिसका पालन करना सभी नागरिकों का कर्तव्य है। हमें उसके प्रति भी उन्हें जागरूक करना चाहिए तथा सदैव सरकार द्वारा बनाए गए नियमों का पालन करना चाहिए। साथ- ही साथ हमें यह ध्यान देना चाहिए कि हर व्यक्ति के को पास हेलमेट तथा सीटबेल्ट होना चाहिए। भारत में ऐसी बहुत सी दुर्घटनाएँ होती रहती हैं जिससे हम परेशान होते रहते हैं इसलिए हमें नशीले पदार्थ तथा मोबाइल का प्रयोग नहीं करना चाहिए। जिससे हम दुर्घटना से बच सके तथा अपने और अपने परिवार को खुशहाल रख सकें।

"व्यक्ति की बुद्धिमानी उस समय बेवकूफी प्रतीत होती है, जब वह बिना हेलमेट के वाहन चलाता है।"

उपसंहार ⇒

प्रत्येक व्यक्ति को वाहन चलाते समय हमेशा अलर्ट रहना चाहिए कि वह सदैव अपने बाईं ओर से वाहन चलाएँ तथा यह सदैव ध्यान रखना चाहिए कि वह सदैव नियमों का पालन करें। इससे वह अपना तथा अपने परिवार को खुशहाल रख सकता

Scanned By Scanner Go

रख सकता है। जब भी वह नियम का पालन करेगा तो अन्य व्यक्ति भी उसे देखकर उसके नियमों का पालन करेंगे। इससे वह अनेक व्यक्तियों को बताएगा और अनेक व्यक्ति भी उस नियम का पालन करेंगे इससे एक न एक दिन हमारा देश अवश्य ऊँचा होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया भर में प्रतिवर्ष 10 लाख से अधिक व्यक्तियों की मौत होती है। इससे जब हम नियमों का पालन करेंगे तो यह संख्या शायद न सुनने को मिले अपने देश का गौरव बढ़ाने तथा अपनी दुनिया की रक्षा करने के लिए हमें सावधानी बरतनी होगी।

"सड़क सुरक्षा का करो मान,
तभी बनेगा देश महान।"

"सतर्क रहें! सुरक्षित रहें!"

धन्यवाद!

Scanned By Scanner Go